Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय
Government of India | भारत सरकार

NCCT CO-OP NEWS BULLETIN

Date: 0 5 .02.2024

Sr No	Date	Publication	Edition	Page no.
1.	03-02-2024	Vimarsh Darpan	New Delhi	3
2.	03-02-2024	News Harpal	Online	
3.	03-02-2024	The National Bulletin	Online	
4.	03-02-2024	Vishala Bharati	Hyderabad	3
5.	05-02-2024	Hari Bhoomi	Hisar	1

Publication:	Vimarsh Darpan, Pg 3	Edition: New Delhi	Print
Published Date:	February 03, 2024		

सहकारी समितियों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में होगी अहम भूमिका

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण के अनुरूप, अंतरिम बजट 2024 सहकारी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने की पहल को प्राथमिकता देता है। संसद में प्रस्तुत बजट गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई 54 प्रमुख पहलों को प्रतिबिंबित करता है। इसका उद्देश्य देश भर में पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण समितियों) और प्राथमिक सहकारी समितियों को मजबूत करना है, जो ग्रामीण समृद्धि की राह पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जबकि बजट विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पहलों के माध्यम से महिलाओं सशक्तिकरण, युवाओं, हाशिए पर रहने वाले समूहों और किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रणालीगत असमानता में कमी को प्राथमिकता देता है, यह सहकारी समितियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी काफी बढ़ावा देता है। बजट के विभिन्न पहलुओं को समझाते हुए अधिकारियों ने कहा कि डेयरी प्रसंस्करण, ब्रांड निर्माण, विपणन और बुनियादी ढांचा विकास (डीआरडीएफ) फंड, राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) और राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के लिए निरंतर समर्थन सहकारी डेयरी क्षेत्र को मजबूत करता है। सरकार का लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से लखपति दीदियों की संख्या 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करना है और इस उद्देश्य के लिए एक लाख करोड़ रुपये का कोष आवंटित किया है। अधिकारियों ने कहा, चूंकि ग्रामीण स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को पैक्स द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, इसलिए यह पैक्स के लिए ग्रामीण स्तर पर इसे लागू करके ग्रामीण महिलाओं की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव डालने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है। बजट में कृषि, ग्रामीण क्षेत्रों और मत्स्य पालन को प्राथमिकता दी गई है, किसान सहकारी समितियों और मूल्य संवर्धन पर जोर दिया गया है। यह ग्रामीण ऋण को मजबूत करने की पिछली पहलों पर आधारित है, जिसमें पैक्स को ग्रामीण समृद्धि के लिए बहु-सेवा केंद्र के रूप में देखा गया है। बजट का एक अन्य प्रमुख पहलू यह है कि इसमें सहकारी मत्स्य पालन क्षेत्र के लाभ के लिए देश में पांच एकीकृत एक्वा पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव है। बजट में सब्सिडी वाले ऋण के माध्यम से आवास पर ध्यान केंद्रित करने से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों को कम लागत और किफायती घर उपलब्ध कराने के लिए सहकारी आवास आंदोलन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों ने कहा कि सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने से पैक्स की विविध गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण विकास को और बढ़ावा मिलता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना, दक्षता में सुधार करना, बजट में यही मंत्र है। रुपये के कोष पर बजट प्रस्ताव. उभरते क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार पर पचास साल के ब्याज मुक्त ऋण के साथ 1.00 लाख करोड़ रुपये विशेष रूप से कृषि, सहकारी क्षेत्र के आधुनिकीकरण, ग्रामीण विकास और प्रसंस्करण क्षेत्र के क्षेत्र में एक वास्तविक गेम चेंजर हो सकते हैं। अंत में, बजट ने जीडीपी और एफडीआई के अर्थ को एक नया बदलाव दिया, जीडीपी का मतलब सामान्य विकास और प्रदर्शन है।

Publication:	New Harpal	Edition:	Online
Published Date:	February 03, 2024		

सरकार ने आम बजट में सहकारिता मंत्रालय को दिया यह प्रावधान

https://www.newsharpal.in/the-government-gave-this-provision-to-the-ministry-of-cooperation-in-the-general-budget/

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्ध" के दृष्टिकोण के अनुरूप, अंतरिम बजट 2024 सहकारी क्षेत्र के माध्यम से कसानों को सशक्त बनाने की पहल को प्राथमकता देता है।

संसद में प्रस्तुत बजट गृह और सहकारिता मंत्री अमत शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई 54 प्रमुख पहलों को प्रतिबिंबित करता है।

इसका उद्देश्य देश भर में पैक्स (प्राथमक कृष ऋण समतियों) और प्राथमक सहकारी समतियों को मजबूत करना है, जो ग्रामीण समृद्ध की राह पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जबक बजट वभन्न सामाजिक-आर्थक पहलों के माध्यम से महिलाओं सशक्तिकरण, युवाओं, हाशए पर रहने वाले समूहों और कसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रणालीगत असमानता में कमी को प्राथमकता देता है, यह सहकारी समतियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी काफी बढ़ावा देता है।
बजट के वभन्न पहलुओं को समझाते हुए अधकारियों ने कहा क डेयरी प्रसंस्करण, ब्रांड निर्माण, वपणन और बुनियादी ढांचा वकास (डीआरडीएफ) फंड, राष्ट्रीय गोकुल मशन (आरजीएम) और राष्ट्रीय डेयरी वकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के लए निरंतर समर्थन सहकारी डेयरी क्षेत्र को मजबूत करता है।

सरकार का लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से लखपति दीदियों की संख्या 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करना है और इस उद्देश्य के लए एक लाख करोड़ रुपये का कोष आवंटित कया है।

अधकारियों ने कहा, चूंक ग्रामीण स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को पैक्स द्वारा वत्त पोषत कया जाता है, इसलए यह पैक्स के लए ग्रामीण स्तर पर इसे लागू करके ग्रामीण महिलाओं की वत्तीय स्थिति पर प्रभाव डालने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है।

Publication:	The National Bulletin	Edition:	Online
Published Date:	February 03, 2024		

सहकारी समितियों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में होगी अहम भूमका

https://hindi.thenationalbulletin.in/cooperative-societies-will-play-an-important-role-in-the-rural-economy

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्ध" के दृष्टिकोण के अनुरूप, अंतरिम बजट 2024 सहकारी क्षेत्र के माध्यम से कसानों को सशक्त बनाने की पहल को प्राथमकता देता है।

संसद में प्रस्तुत बजट गृह और सहकारिता मंत्री अमत शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई 54 प्रमुख पहलों को प्रतिबिंबित करता है।

इसका उद्देश्य देश भर में पैक्स (प्राथमक कृष ऋण समतियों) और प्राथमक सहकारी समतियों को मजबूत करना है, जो ग्रामीण समृद्ध की राह पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जबक बजट वभन्न सामाजिक-आर्थक पहलों के माध्यम से महिलाओं सशक्तिकरण, युवाओं, हाशए पर रहने वाले समूहों और कसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रणालीगत असमानता में कमी को प्राथमकता देता है, यह सहकारी समतियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी काफी बढ़ावा देता है।
बजट के वभन्न पहलुओं को समझाते हुए अधकारियों ने कहा क डेयरी प्रसंस्करण, ब्रांड निर्माण, वपणन और बुनियादी ढांचा वकास (डीआरडीएफ) फंड, राष्ट्रीय गोकुल मशन (आरजीएम) और राष्ट्रीय डेयरी वकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के लए निरंतर समर्थन सहकारी डेयरी क्षेत्र को मजबूत करता है।

सरकार का लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से लखपति दीदियों की संख्या 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करना है और इस उद्देश्य के लए एक लाख करोड़ रुपये का कोष आवंटित कया है।

अधकारियों ने कहा, चूंक ग्रामीण स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को पैक्स द्वारा वत्त पोषत कया जाता है, इसलए यह पैक्स के लए ग्रामीण स्तर पर इसे लागू करके ग्रामीण महिलाओं की वत्तीय स्थिति पर प्रभाव डालने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है।

Publication:	Vishala Bharati, Pg 3	Edition: Hyderabad	Print
Published Date:	February 03, 2024		

GENERAL NEWS
vishalabharathi Telugu Daily
.vishalabharati.com
per:vishalabharati.com
జనరల్ న్యూస్
3 శుక్రవారం, 02.02.2024 హైదరాబాద్

కంప్యూటరీకరణ పథకాన్ని ప్రారంభించిన అమిత్ షా

ఎన్ సి సి టి భారత ప్రభుత్వం ఆదేశాలకు అనుగుణంగా ప్రకటన

చిగురుమామిడి, విశాల భారతి: కేంద్ర హోం మంత్రి, సహకార శాఖ మంత్రి అమిత్ షా న్యూఢిల్లీలో రాష్ట్రాల సహకార సంఘాల రిజిస్ట్రార్ (ఆర్ సిఎస్ లు), వ్యవసాయ, గ్రామీణాభివృద్ధి బ్యాంకుల (ఎఆర్ డిబి) కార్యాలయాలకు కంప్యూటరీకరణ పథకాన్ని ప్రారంభించారు. ప్రధాన మంత్రి నరేంద్ర మోదీ సహకార సంఘాల ద్వారా కోట్లాది మందిని స్వయం ఉపాధితో అనుసంధానం చేయడానికి ఒక పటిష్ఠమైన వ్యవస్థను సృష్టించారు. డిజిటల్ ఇండియా, సహకారం ద్వారా సంపన్న గ్రామాలకు మోదీ ప్రభుత్వం పునాది వేసింది. పీఏసీఎస్ ల నుంచి మొదలుకొని మొత్తం సహకార వ్యవస్థను మోదీ ప్రభుత్వం ఆధునీకరించింది.ఆధునిక వ్యవసాయం కోసం రైతులకు మధ్య, దీర్ఘకాలిక రుణాలు అందించేందుకు ఏఆర్ డీబీలు, పీఏసీఎస్ లు కలిసి పనిచేస్తున్నాయి.ప్రధాన మంత్రి నరేంద్ర మోదీ నాయకత్వంలో మనం "సహకార్ సే సమృద్ధి" విజన్ ను సాకారం చేసే దిశలో మరో ముందడుగు వేస్తున్నామని అమిత్ షా తన ప్రసంగంలో పేర్కొన్నారు. సహకార మంత్రిత్వ శాఖ ఏర్పడిన వెంటనే మొదట 65000 పీఏసీఎస్ లు, సెంట్రల్ రిజిస్ట్రార్ ఆఫ్ కోఆపరేటివ్స్, ఆ తర్వాత పీఏసీఎస్ లతో పాటు అన్ని జిల్లా, రాష్ట్ర సహకార బ్యాంకులను కంప్యూటరీకరణ చేశామన్నారు. దేశంలోని 1851ఏఆర్ డిబీల శాఖలను కంప్యూటరీకరించడం వల్ల వాటితో సంబంధం ఉన్న కోటి 20లక్షల మంది రైతులకు ఎంతో ప్రయోజనం కలుగుతుందన్నారు. వ్యవసాయ, గ్రామీణాభివృద్ధి బ్యాంకుల కంప్యూటరీకరణ ప్రాజెక్టు 13రాష్ట్రాలు, కేంద్రపాలిత ప్రాంతాల్లో ఉన్న 1851ఏఆర్డీబీ యూనిట్లను కంప్యూటరీకరించి, కామన్ నేషనల్ సాఫ్ట్వేర్ ద్వారా నాబార్డుతో అనుసంధానం చేయడం, కామన్ అకౌంటింగ్ సిస్టమ్ (సిఎఎస్), మేనేజ్మెంట్ ఇన్ఫర్మేషన్ సిస్టమ్ (ఎంఐఎస్) ద్వారా వ్యాపార ప్రక్రియలను ప్రామాణీకం చేయడం ద్వారా ఎఆర్డిబి కార్యకలాపాలు, సామర్థ్యం, జవాబుదారీతనం, పారదర్శకతను పెంచడానికి సహకార మంత్రిత్వ శాఖ యొక్క ఈ చొరవ పనిచేస్తుంది. అంతేకాక, లావాదేవీ ఖర్చులను తగ్గించడం, రైతులకు రుణ పంపిణీని సులభతరంఅవుతుందన్నారు.

విశాల భారతి
తెలుగు దిన పత్రిక
Main Edition Page 3 02 Feb 2024
https://epaper.vishalabharati.com/clip/26439

Publication:	Haribhoomi, Pg 1	Edition: Hisar	Print
Published Date:	February 05, 2024		

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Hisar - 05 Feb 2024 - Page 1

बजट 2024 किसानों को बनाएगा सशक्त

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्धि" के दृष्टिकोण के अनुरूप, अंतरिम बजट 2024 सहकारी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने की पहल को प्राथमिकता देता है। संसद में गृहमंत्री शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई 54 प्रमुख पहलों को प्रतिबिंबित करता है। बजट के पहलुओं को समझाते हुए अधिकारियों ने कहा कि डेयरी प्रसंस्करण, ब्रांड निर्माण और बुनियादी ढांचा विकास फंड, राष्ट्रीय गोकुल मिशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के लिए निरंतर समर्थन सहकारी डेयरी क्षेत्र को मजबूत करता है।

LOCATIONS OF NCCT INSTITUTES

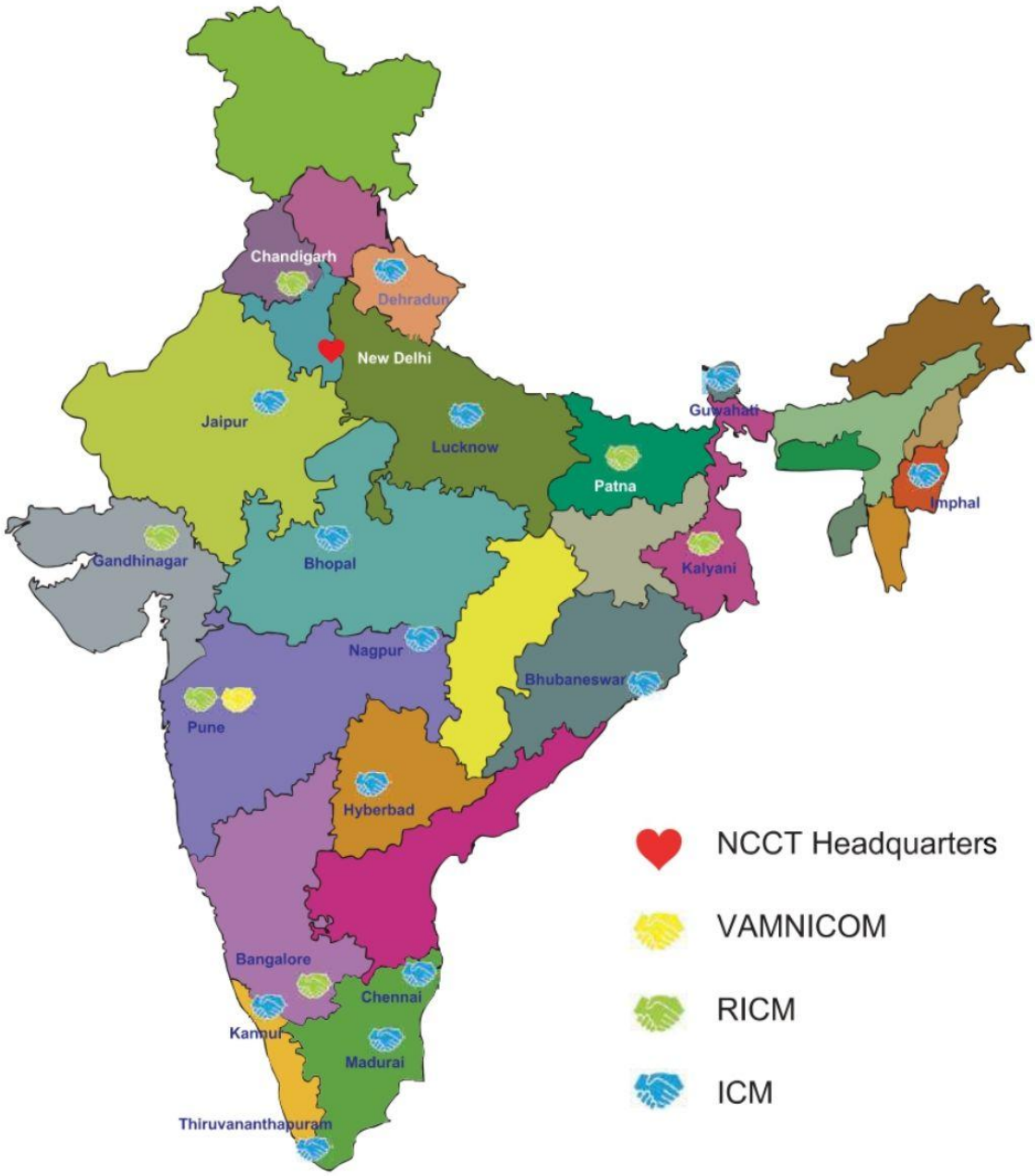

NATIONAL COUNCIL FOR COOPERATIVE TRAINING

(AN AUTONOMOUS SOCIETY PROMOTED BY MINISTRY OF COOPERATION, GOVERNMENT OF INDIA)

3, Siri Institutional Area (3rd Floor), August Kranti Marg, New Delhi-110016

011-41096510 secy-ncct@gov.in www.ncct.ac.in